Seventeenth Loksabha

Need to frame stringent laws to take action against forced religious conversion of Adivasi people in the country

श्री सुनील कुमार सोनी (रायपुर) : माननीय गृहमंत्री जी देश के अलग-अलग क्षेत्रों में कई समूह और संगठनों द्वारा मतांतरण एवं धर्मांतरण जैसे समाज विरोधी कार्य किए जा रहे हैं। इस समस्या के समाधान हेतु गभीरता से विचार करना चाहिए। यह समस्या समाज और देश की दिशा को परिवर्तित कर रही है। इन संगठनों द्वारा आमतौर पर गरीब, अशिक्षित और विशेषकर दलित आदिवासी लोगों की मानसिकता को प्रभावित किया जाता है।

भारत में कई ऐसे मामले देखने को मिले, जिसमें जबरन धर्मांतरण एवं मतांतरण के कारण से अनेक लोगों को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ा। इस तरह हमारे हिन्दू धर्म के लोगों को मतांतरण की ओर धकेलकर उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जाता है, जिससे कि उन्हें एक षड़यंत्र के तहत 'मैं हिन्दू नहीं हूँ, मैं किसी समाज का नहीं हूँ, मैं संविधान को नहीं मानता', इस तरह के विचार को बढ़ावा दिया जा रहा है । हमारा छत्तीसगढ़ राज्य एक दलित एवं आदिवासी बहुल राज्य है। उक्त समस्या इस राज्य में गंभीर रूप धारण कर चुकी है, जिससे कि आदिवासी राज्य के संस्कार एवं संस्कृति समाप्त होने का भय है।

अतः मेरा विनम्र आग्रह है कि इस तरह के जबरन धर्मांतरण/मतांतरण पर कठोर से कठोर कानून बनाकर कार्यवाही की जानी चाहिए।